

कांग्रेस सरकार में विद्युत तंत्र के कुप्रबंधन से उपभोक्ता बिजली को तरसते थे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार से 5 गुना अधिक बिजली उत्पादन क्षमता हासिल की

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि आज प्रदेश के 26 जिलों में किसानों को दिन के दो ब्लॉक में बिजली मिल रही है।

कि बिजली उत्पादन और सौर ऊर्जा उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि राज्य सरकार की नीतियों के सफल क्रियान्वयन का परिणाम है। आज हमारी सरकार के समय प्रदेश में 26 जिलों में अन्नदाताओं को दिन के दो ब्लॉक में बिजली मिल रही है। कस्बों से लेकर गांव-ढाणी तक गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार के समय में विद्युत तंत्र कुप्रबंधन का शिकार रहा, डिस्कॉम

घाटे में ही रहे और उपभोक्ता बिजली को तरसे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार ने रोडमैप के तहत, बिजली, पानी जैसी बुनियादी आवश्यकताओं पर प्रतिबद्ध होकर कार्य किया है। परिणामस्वरूप गत 34 माह के कार्यकाल में राज्य के उपयोग के लिए बिजली उत्पादन क्षमता में 10 हजार 920 मेगावाट की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस के पूरे 5 वर्ष के

कार्यकाल में यह आंकड़ा 3 हजार 958 मेगावाट तक ही पहुंचा था। इस प्रकार भाजपा सरकार के कार्यकाल में कांग्रेस की तुलना में पौने तीन गुना बिजली उत्पादन की वृद्धि दर्ज की गई है। अगर कांग्रेस सरकार के पहले 34 महीनों की तुलना की जाए तो भाजपा सरकार का आंकड़ा लगभग 5 गुना से अधिक है।

उन्होंने कहा, राजस्थान डिस्कॉम की वित्तीय स्थिति इस सरकार के कार्यकाल में उल्लेखनीय रूप से बेहतर हुई है। अजमेर डिस्कॉम ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 825 करोड़ रुपये एवं वर्ष 2025-26 में जयपुर डिस्कॉम ने 931 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है।

यूपी विधान

परिषद चुनाव में 55.24 प्रतिशत मतदान

लखनक, 23 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों को मिलाकर, कुल 11 सीटों के द्विवार्षिक चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ। सभी सीटों पर कुल 55.24 फीसदी मतदान हुआ है। मतदान सुबह आठ बजे से अपराह्न चार बजे तक चला।

- चुनाव परिणाम 27 अक्टूबर को आयेंगे।

गोरखपुर, मुजफ्फरनगर और आगरा जैसे कुछ जिलों में गड़बड़ी के आरोप-प्रत्यारोप के साथ मतदान शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। इसी के साथ 152 उम्मीदवारों का भाग्य बैलट बक्से में कैद हो गया है। 27 अक्टूबर को चुनाव परिणाम आएगा।

उल्लेखनीय है कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर संबंधित जिलों के जिताधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों की गिराणी में मतदान केंद्रों पर विस्तरिय सुरक्षा घेरा तैयार किया गया था, ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ी न होने पाए। स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के इस चुनाव में प्रदेश भर में 14 लाख 81 हजार 310 मतदाता हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने नेहा बोरा की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की बेंच ने ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आईसा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा की दिल्ली पुलिस की ओर से जारी नोटिस के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। याचिका में नेहा बोरा ने दस हजार रुपये के निजी मुचलका भरने और शांति बनाए रखने का निर्देश देने वाले आदेश को चुनौती दी थी। कोर्ट ने 22 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

नेहा बोरा को 16 अक्टूबर, 2026 को तब एहतियातन गिरफ्तार किया गया था, जब वे काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के "लहरा दो तिरंगा" मार्च में हिस्सा लेने जा रही थीं। दिल्ली पुलिस ने नेहा बोरा को 17 अक्टूबर को रिहा कर दिया था।

जयपुर जिले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
19 ग्राम पंचायतों में 120, जोबनेर की 28 ग्राम पंचायतों में 232, किशनगढ़ रेनवाल की 26 ग्राम पंचायतों में 184, मौजमाबाद की 27 ग्राम पंचायतों में 185 तथा सांभर की 26 ग्राम पंचायतों में 157 अभ्यर्थी सरपंच पद के लिए चुनाव मैदान में हैं।

अमिताभ बच्चन के घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली

मुंबई मेयर के कार्यक्रम को प्राप्त ई-मेल में दिलजीत दोसांझ व कई स्कूलों को निशाना बनाया गया

मुंबई, 23 अक्टूबर। अमिताभ बच्चन के घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। शुक्रवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की मेयर रितु तावड़े के कार्यालय को बम धमाकों से जुड़ा धमकी भरा एक ईमेल मिला है। इस ईमेल में अमिताभ बच्चन के साथ ही, सिंगर दिलजीत दोसांझ और शहर के कई स्कूलों को भी निशाना बनाने की धमकी दी गई है। पुलिस के मुताबिक, खालिस्तान नेशनल आर्मी (केएनए) नाम के एक संगठन ने इस धमकी की जिम्मेदारी ली है।

बोते रविवार को टाइगर श्राॅफ पर हुए हमले और सलमान खान से लेकर ऋतिक रोशन जैसे दिग्गज सैलिब्रिटीज के घर की रेकी के बाद, यह खबर दिल दहला देने वाली है। 23 अक्टूबर को सुबह 11:31 बजे भेजे गए ईमेल में मुंबई मेयर कार्यालय में रात 3:11 बजे धमाका करने की

टाइगर श्राॅफ फायरिंग: तीनों आरोपी 28 अक्टूबर तक पुलिस कस्टडी में

मुंबई, 23 अक्टूबर। मुंबई की एस्प्लेनड अदालत ने शुक्रवार को फिल्म अभिनेता टाइगर श्राॅफ से जुड़े फायरिंग मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को 28 अक्टूबर तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। इन आरोपियों की पहचान अंकित खट्टर, समीर खत्री और जतिन पांचाल के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों को हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार करने के बाद आज अदालत में पेश किया था। इस मामले की सुनवाई के दौरान, मुंबई पुलिस ने अदालत को बताया कि इन आरोपियों को फायरिंग की घटना की कथित साजिश में तीनों की अहम भूमिका रही है। पुलिस के अनुसार, अंकित खट्टर कथित तौर पर रेकी करने के लिए मुंबई आया था, जबकि समीर खत्री का वांछित आरोपी अनिल पंडित से संपर्क था।

‘अभी और आराम ...

रहते हैं, वे हमेशा चैंपियन ही रहते हैं। जो ऐसा नहीं कर पाते, वे समझौता कर लेते हैं और बस अपनी पुरानी उपलब्धियों के सहारे जीते हैं। यह हर किसी का अपना निजी चुनाव है, और दोनों में जो भी रास्ता चलत नहीं है। स्वस्थ रहें, खुश रहें।”

उनके ब्लॉग पोस्ट से प्रशंसकों के बीच चिंता पैदा होने के एक दिन बाद, अमिताभ बच्चन ने पर एक और छोटा और रहस्यमयी संदेश शेयर किया। उन्होंने लिखा, “खेल खत्म हो गया है ! लेकिन काम अभी भी जारी है।” चूंकि मेगास्टार ने यह नहीं बताया कि उनका क्या मतबल था, इसलिए इस पोस्ट ने लोगों सेहत को लेकर और भी उत्सुकता बढ़ा दी।

मई में, ऐसी खबरें आई थीं कि अमिताभ बच्चन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाद में, ई टाइम्स ने बताया कि ये खबरें गलत थीं। रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेता केवल अपने नियमित मासिक स्वास्थ्य जांच के लिए नानावटी अस्पताल गए थे और उसी दिन घर लौट आए थे।

जनवरी से मोबाइल फोन में लागू होगा सिम लॉग इन वेरिफिकेशन

सिम बाइंडिंग नियम से मैसेजिंग एप को यूजर्स के रजिस्टर्ड मोबाइल के सिम से लिंक होना होगा

- डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन का कहना है कि इस व्यवस्था से ऑन लाइन स्कैम को रोका जा सकेगा।

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन (डीओटी) ने मैसेजिंग और कम्युनिकेशन एप्स को 1 जनवरी, 2027 से “सिम-बाइंडिंग” नियमों का पालन करने का निर्देश दिया है। नियमों के तहत एप्स को सिम आधारित लॉगइन वेरिफिकेशन भी लागू करनी होगी। इसका उद्देश्य यूजर के अकाउंट को उसके रजिस्टर्ड भारतीय मोबाइल नंबर के एक्टिव सिम कार्ड से लिंक रखना तथा ऑनलाइन स्कैम को रोकना है।

डीओटी ने 28 नवंबर 2025 को टेलीकॉम सायबर सिक्योरिटी रूल्स, 2024 के तहत सिम बाइंडिंग के निर्देश जारी किए थे। इसके साथ ही सरकार ने 1 दिसंबर 2025 को प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) के जरिए इस आदेश को सार्वजनिक किया था। शुरुआत में इसे लागू करने के लिए 90 दिन का

समय दिया गया था। बाद में इससे पालन करने की समय सीमा बढ़ाकर 31 दिसंबर 2026 कर दी गई थी। शुरुआत में इसमें व्हाट्सएप, टेलीग्राम, स्नैपचैट, अरट्टई, शेयरचैट, जोश, जिओचैट और सिंगल एप्स शामिल थे।

ये नियम उन एप्स के लिए हैं, जो कम्युनिकेशन सर्विस ऑफर करते हैं, जो यूजर्स की पहचान या सेवाएं देने के लिए इंडियन मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करते हैं।

सिम-बाइंडिंग के नियम के तहत मैसेजिंग एप को यूजर्स के रजिस्टर्ड इंडियन मोबाइल नंबर के एक्टिव सिम कार्ड से लिंक रहना अनिवार्य होगा। अगर सिम कार्ड निकाल दिया जाता है या सिम एक्टिव नहीं रहता है, तो एप उस डिवाइस पर काम नहीं करेगी।

इसके साथ ही वेब वर्जन के लिए भी नियम लागू गए हैं। खबरों की मानें तो कई मैसेजिंग एप्स ने इन नियमों के पालन की तैयारी भी शुरू कर दी है। वॉट्सएप इसके लिए टैकर फीचर लेकर आया, जो यह चेक करेगा कि यूजर के फोन में सिम कार्ड मौजूद है या नहीं।

सरकार कहना है कि इन नियमों से डिजिटल स्कैम को कम किया जा सकता है। टेलीकॉम डिपार्टमेंट का कहना था कि बैंकिंग और यूपीआई एप्स में सिम-लिंकड वेरिफिकेशन को सफलता पूर्वक किया गया है।

एयर इंडिया विमान की हैदराबाद में इमरजेंसी लैंडिंग

हैदराबाद, 23 अक्टूबर। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयर इंडिया के एक विमान की आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। मुंबई जा रही उड़ान एआई

- मुंबई जाने वाली उड़ान में उड़ते ही तकनीकी खराबी सामने खराबी आई, सभी यात्री सुरक्षित हैं।

417 में टेकऑफ के महज पांच मिनट बाद तकनीकी खराबी सामने आई। स्थिति को भांपते हुए पायलट ने तुरंत एमरजेंसिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचना दी और विमान को वापस हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया। विमान में सवार सभी 109 यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

एटीसी के निर्देशों और मार्गदर्शन के बीच पायलट ने विमान को सुरक्षित वापस लाने की प्रक्रिया पूरी की। कुछ ही देर बाद विमान की हैदराबाद एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, इस घटना में किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है।

बिहार की पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 7 मरे

सीवान, 23 अक्टूबर। बिहार में सीवान जिले के आलमपुर गांव में पटाखा बनाने के दौरान हुए विस्फोट में करीब सात लोगों की मौत हो गई। सीवान के पुलिस अधीक्षक ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अभी तक 05 लोगों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि अन्य लोग अभी अन्दर हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम और एफएसएल की टीम जांच कर रही है, उनकी रिपोर्ट के बाद ही सही जानकारी मिलेगी। ग्रामीणों के अनुसार, मृतकों में एक ही परिवार के पांच लोग शामिल हैं। पटाखा कारोबारी अमीरुद्दीन, उनकी तीन पत्नियाँ, एक पोते के अलावा, दो मजदूरों की बात सामने आई है। हालांकि सीवान के डीएम विजय प्रकाश मीणा और एसपी भरत सोनी ने कहा कि अभी तक 05 लोगों के ही शव बरामद किए जा सके हैं।

‘सीमा पर भारत-चीन टकराव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
पहले ही पूरी फोर्स की सभी इकाइयों को “स्ट्राइक ट्रेनिंग” (हमला करने का प्रशिक्षण) दे दी जाएगी। साथ ही गलवान जैसी स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी अग्रिम सीमा चौकियों (फॉरवर्ड बॉर्डर आउटपोस्ट) पर जरूरी उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। सुरक्षा बनाए रखने और सीमा की रक्षा के लिए, आईटीबीपी और सेना के जवान ऊंचाई वाले सीमावर्ती इलाकों के अहम और संवेदनशील स्थानों पर तैनात हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए आईटीबीपी अग्रिम मोर्चों पर मजबूत भूमिगत ढाँचों (अंडरग्राउंड इन्फ्रास्ट्रक्चर) का बड़े पैमाने पर निर्माण कर रही है। इन खुलासों के बाद तुरंत ही राजनीतिक प्रतिक्रिया भी आने लगी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सीमा सुरक्षा और व्यापारिक संबंधों को लेकर मोदी सरकार के रवैये की आलोचना की।

एक्स पर पोस्ट करते हुए रमेश ने मोदी और उनके प्रशासन पर आरोप लगाया कि वे “लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल” (एलएसी) पर चल रहे घटनाक्रमों को लेकर पूरी तरह से खोमोश हैं।

मोदी सरकार पर एक और तंज करते हुए कांग्रेस ने कहा, “एक तरफ जहाँ खुद को विश्वगुरु बताने वाले नेता चीन को लगातार रियायतें दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ, आईटीबीपी के महानिदेशक ने अरुणाचल प्रदेश में पीएलए के साथ हाल में हुए टकरावों में अपने जवानों के प्रदर्शन की सराहना की है, जो सही भी है। लेकिन प्रधानमंत्री और उनके प्रशासन ने इस मुद्दे पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है।”

‘अभी और आराम ...

- 1962 के युद्ध में चीन ने अक्सार्इ चिन पर कब्जा कर लिया था और पूर्वी सेंक्टर में भी काफी आगे बढ़ गया था, पर, बाद में पीछे हट गया, लेकिन मई-जून 2020 में चीन ने फिर लद्दाख की गलवान घाटी में घुसपैठ की और इस हिंसक टकराव में 20 जवान शहीद हुए थे, यह 1962 के बाद का सबसे ज्यादा हिंसक टकराव था। वर्ष 2022 में अरुणाचल के तवांग में भी टकराव हुआ था।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हालात “बेहद चिंताजनक” हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से “सच बताने” की मांग की और पूछा कि क्या डोकलाम और गलवान के बाद, अब एक और गंभीर टकराव की स्थिति बन रही है? उन्होंने यह भी पूछा कि क्या गरत (पेट्रोलिंग) करने की पहुंच पर कोई असर पड़ा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की “खामोशी” पर सवाल उठाते हुए, खुद को “विश्वगुरु” कहने वाले पीएम पर “चीन को जान-बूझकर रियायतें देने” का आरोप लगाया। उन्होंने लद्दाख की तरह गरत वाले पॉइंट्स के हाथ से निकल जाने, चीन द्वारा

अरुणाचल की जगहों के नाम बदलने और भारत की जल सुरक्षा के लिए खतरा बने एक बड़े बांध (मेगा-डैम) का जिक्र किया।

इधर सरकार का कहना है कि भारत का कोई भी इलाका हाथ से नहीं गया है। भाजपा प्रवक्ताओं ने सीमा को “बदलता हुआ” (डायनामिक) बताया और कहा कि कहीं-कहीं होने वाली झड़पों को युद्ध नहीं माना जा सकता। वहीं, केन्द्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि अरुणाचल में चीन ने कोई नया कब्जा नहीं किया है, हालांकि स्थानीय लोगों ने यशु चारंगे की जगह को लेकर चिंता जताई है।

“कुछ लोग हिम्मत से इसका सामना नहीं हैं, तो कुछ हार मान लेते हैं। जो संघर्ष करते हैं और बहादुर बने

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
बस अपने अनुभव के आधार पर कोई सामान्य विचार साझा कर रहे थे। उनकी भावुक पोस्ट इस बात पर केन्द्रित थी कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद घर लौटना, कभी-कभी इलाज के समय से भी ज़्यादा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। बच्चन ने ठीक होने के दौरान होने वाले शारीरिक दर्द, भावनात्मक संघर्ष और मानसिक मजबूती के बारे में बताया।

अपने ब्लॉग पर, अमिताभ बच्चन ने लिखा, “अस्पताल में सर्जरी, आईसीयू, कुशल डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की देखरेख, फिर अस्पताल से छुट्टी और घर वापसी। घर वापसी का यह दौर शारीरिक, मानसिक और व्यावहारिक रूप से सबसे मुश्किल चरण होता है। आप एक सम्मानित चैंपियन हैं और अचानक एक दिन हार आपके सामने आ चुकी होती है, यह आपके जीवन का सबसे कठिन समय होता है।”

“कुछ लोग हिम्मत से इसका सामना करते हैं, तो कुछ हार मान लेते हैं। जो संघर्ष करते हैं और बहादुर बने

आईएएस अफसर ने अपने बच्चों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
बार-बार नए सिरे से व्यवस्थित करना पड़ता था।

बच्चों के लिए ऐसी स्थितियों का मतलब है, अपने दोस्तों, परिचित शिक्षकों और व्यवस्थित रूटीन को पीछे छोड़ देना। उनका अनुभव बताता है कि जिस करियर को अक्सर अधिकार और नौकरी की सुरक्षा से जोड़कर देखा जाता है, उसकी कुछ कीमत भी चुकानी पड़ सकती है।

मुंडे की यह सलाह सरकारी सेवा को पूरी तरह नकारने के बारे में नहीं है। इसके बजाय, वे चाहते हैं कि उनके बच्चे समाज की सेवा करने के दूसरे रास्तों पर भी विचार करें।

“इंडियन मास्टरमाइंड्स” के अनुसार, काम मानना ​​है कि युवाओं में पारंपरिक व्यवस्था से बाहर निकलकर करियर के दूसरे विकल्प तलाशने की ऊर्जा, ज्ञान और क्षमता होती है। उनके विचार में, उद्यमिता और जननेतृत्व के

जरिए व्यक्ति अपने विचारों को लागू करने और समस्याओं को सुलझाने में कहीं अधिक स्वतंत्र हो सकता है।

मुंडे महाराष्ट्र कैडर के 2005 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे नियमों को सख्ती से लागू करने और बार-बार होने वाले तबादलों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मई 2026 में महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त का पद संभाला। उनके विभाग ने असुरक्षित खाद्य पदार्थों, मिलावट और घटिया गुणवत्ता वाले उत्पादों के खिलाफ कार्रवाही की है।

अपने करियर के कारण, मुंडे महाराष्ट्र के प्रशासनिक क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नाम बन गए हैं। लेकिन उनका हालिया बयान आईएएस बनने के सपने को एक अलग नजरिए से देखने का मौका देता है। किसी एक व्यक्ति का करियर चुनने का फैसला उसके पूरे परिवार के रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर सकता है।

सिविल सेवा को प्रतिष्ठा और उससे जुड़ी जिम्मेदारियों के बीच चुनाव करने वाले युवाओं के लिए मुंडे का अनुभव एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा करता है: आप जो करियर चुनते हैं, उसकी कीमत आपके साथ जीवन बिताने वाले लोगों को कितनी चुकानी पड़ती है?

हाई कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
की पालना नहीं की और उसे सेवा में वापस नहीं लिया। प्रार्थी ने अदालती आदेश की पालना के लिए अवमानना याचिका दायर की।

म्यांमार में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
जोखिम में रहता है। 1903 में बागो में आए 7.0 तीव्रता के भूकंप से यांगून भी प्रभावित हुआ था।

हरियाणा में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल खत्म

मुख्यमंत्री सैनी के साथ बैठक के बाद माने बिजलीकर्मों

- कर्मचारी नेताओं ने कहा उनकी हड़ताल बिजली विभाग के निजीकरण के खिलाफ थी।

कर दिया था। स्थिति को संभालने के लिए इससे पहले उच्च मंत्री अनिल विज ने भी कर्मचारियों से काम पर लौटने की अपील की थी और सरकार विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रही थी।

पंचकूला के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, ऊर्जा मंत्री अनिल विज और मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की विशेष मौजूदगी रही। वहीं, कर्मचारी संगठनों की ओर से

संयुक्त मोर्चा के नेता देवेन्द्र हुड्डा और अनुबंधित कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री जीवन सिंह ठाकुर ने संयुक्त रूप से ऐलान किया कि सभी कर्मचारी तुरंत अपनी हड़ताल खत्म कर काम पर लौटेंगे और युद्धांतर पर बिजली बहाली के काम में जुट जाएंगे, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।